नाम.................. **प्री-बोर्ड परीक्षा, 2024** **S.P.1.4**

रोल नं................ **कक्षा-12**

हिन्दी (साहित्यिक एवं सामान्य)

समय : 3:15 घंटा] **[पूर्णांक : 100**

खण्ड 'क'

1. (क) 'घुमक्कड़शास्त्र' के रचनाकार हैं—
   (अ) जैनेन्द्र कुमार (ब) राहुल सांकृत्यायन (स) वृन्दावन लाल वर्मा (द) गुलाब राय

   (ख) 'भाग्य और पुरुषार्थ' के लेखक हैं—
   (अ) श्याम सुन्दरदास (ब) जैनेन्द्र कुमार (स) रामचन्द्र शुक्ल (द) विद्यानिवास मिश्र

   (ग) 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक हैं—
   (अ) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ब) प्रताप नारायण मिश्र (स) प्रेमचन्द (द) दिनकर

   (घ) 'भाषा और आधुनिकता' के लेखक का नाम है—
   (अ) हरिशंकर परसाई (ब) प्रो. जी सुन्दर रेड्डी (स) वासुदेव शरण अग्रवाल (द) मोहन राकेश

   (ङ) 'पद्म चरित' के रचनाकार हैं—
   (अ) जगनिक (ब) स्वयंभू (स) नरपति नाल्ह (द) पद्माकर

2. (क) हिन्दी साहित्य के "आदिकाल" को यह नाम किसने दिया?
   (अ) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ब) रामचन्द्र शुक्ल (स) रामकुमार वर्मा (द) डॉ. नागेन्द्र

   (ख) "कामायनी" के रचनाकार हैं—
   (अ) जयशंकर प्रसाद (ब) महादेवी वर्मा (स) दिनकर (द) पन्त

   (ग) 'लक्ष्मीपुरा' किस विधा की रचना है?
   (अ) कहानी (ब) नाटक (स) रिपोर्ताज (द) उपन्यास

   (घ) 'कबीरदास' किस शाखा के कवि हैं?
   (अ) रामाश्रयी शाखा (ब) कृष्णाश्रयी शाखा (स) निर्गुणज्ञानाश्रयी शाखा (द) निर्गुन प्रेमाश्रयी शाखा

[P.T.O.

PDF Hindustanknowledge.com

(ङ) 'प्रेमचन्द' का वास्तविक नाम है—

(अ) धनपत राय (ब) कलाधर (स) भगवतीचरण वर्मा (द) घनानन्द

3\. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

धरती माता की कोख में जो अमूल्य निधियाँ भरी हैं जिनके कारण वह वसुन्धरा कहलाती है उससे कौन परिचित न होना चाहेगा? लाखों-करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है। दिन-रात बहने वाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीस कर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है। हमारे भावी आर्थिक अभ्युदय के लिए इन सबकी जाँच-पड़ताल आवश्यक है।

(अ) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ब) धरती वसुन्धरा क्यों कहलाती है?

(स) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(द) पृथ्वी की देह को किसने सजाया है?

(य) भावी आर्थिक अभ्युदय हेतु हमें क्या करना चाहिए?

अथवा

अशोक का फूल उसी मस्ती में हस रहा है। पुराने चित्त से इसे देखने वाला उदास होता है। वह अपने को पण्डित समझता है। पंडिताई भी एक बोझ है, जितनी ही भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुबाती है। जब वह, जीवन का अंग बन जाती है तो सहज हो पाती है। तो वह बोझ नहीं रहती वह उस अवस्था में उदास भी नहीं रहती। कहाँ! अशोक का कुछ भी नहीं बिगड़ा है। कितनी मस्ती में झूम रहा है? कालिदास इसका रस ले सके थे—अपने ढंग से। मैं भी ले सकता हूँ अपने ढंग से। उदास होना बेकार है।

(अ) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) लेखक क्यों कहता है कि उदास होना बेकार है।

(घ) गद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ङ) गद्यांश की भाषा-शैली की विशेषताएँ लिखिए।

4\. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

"दुर्बलता का ही चिन्ह विशेष शपथ है
पर अबलाजन के लिए कौन-सा पथ है?
यदि मैं उकसाई गयी भरत से होऊँ,
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ।

PDF Hindustanknowledge.com

ठहरो, मत रोको, कहूँ सो सुन लो।
पाओ यदि उसमें सार उसे सब चुन लो।
करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊँ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ?''

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ब) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(स) ''करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊँ?
राई भर भी अनुताप न करने पाऊँ?''

(द) पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

(य) भाषा की विशेषता बताइए।

अथवा

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को।।
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होठों की औ कमल-मुख की म्लानताएं मिटाना।।

कोई क्लान्ता कृषक-ललना खेत में जो दिखाते।
धीरे-2 परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना।।
जाता कोई जल्द यदि हो व्योम में हो तो उसे ला।
छाया द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को।।

(अ) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(स) राधा लज्जाशील पथिक महिला के विषय में क्या कहना चाहती हैं?

(द) 'होठों की औ कमल-मुख' में अलंकार बताइए।

(य) 'जलद' और 'कृषक-ललना' का अर्थ बताइए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए जीवन परिचय दीजिए—

(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ब) वासुदेव शरण अग्रवाल

PDF-Hindustanknowledge.com

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए—

(अ) मैथिलीशरण गुप्त (ब) सुमित्रानन्दन पंत

6. बहादुर अथवा पंचलाइट कहानी का सारांश लिखिए।

7. आलोकवृत्त खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण लिखिए।

खण्ड 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

महामना विद्वान वक्ता, धार्मिकों नेता, पटुः पत्रकारश्चासीत्। परमस्य सतोच्चगुण जनसेवैव आसीत्। यत् कुत्रापि अयं जनान् दुःखिताम् पीड्यमानांश्चपश्यत् तत्रैव सः शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाय्यञ्च अकरोत्। प्राणिसेव अस्य स्वभाव एवासीत्।

अथवा

हंसराजः तदैव परिषन्मध्ये आत्मनः भागिनेयायं हंसपोतकाय, दुहितरमदात्। मयूरो हंसपोतिकामप्राप्य लज्जितः। तस्मात्! स्थानात् पलायितः हंसराजोऽपि दृष्टमानसः स्वगृहम् अगच्छत्।

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

नमे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभि ते चनम्।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति।।

अथवा

परोक्षेकार्य हत्तारं प्रत्यक्षेप्रियतादिनम्।
तर्जयेतादृशं मित्र विषकुम्भं पयोमुंजम्।।

9. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए—

(अ) देश में बेरोजगारी की समस्या

(ब) आतंकवाद की समस्या और समाधान

10. (क) 'वीर रस' अथवा 'हास्य रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए।

PDF Hindustanknowledge.com

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए।

(ग) 'दोहा' अथवा 'सोरठा' छन्द की मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

11. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए—

चलना मनुष्य का स्वभाव है। पानी भी चलता है, हवा भी चलती है, समय भी चलता है, मनुष्य भी चलता है। प्राचीन समय में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने के लिए मनुष्य मीलों पैदल यात्रा करता था। कई बार यात्रा इतनी लम्बी हो जाती थी कि वर्षों लग जाते थे, मार्ग में यात्री बीमार होकर मर भी जाते थे। फिर पालकियों का प्रयोग किया जाने लगा। इसे चार लोग चलाते थे। मगर रास्ते में थके लोगों की जगह लेने के लिए 8 या 12 लोग साथ में चलते थे। पालकियों का प्रयोग स्त्रियों के लिए किया जाता था। पहिये के आविष्कार ने मनुष्य का जीवन ही बदल दिया। इसके द्वारा सर्वप्रथम बैलगाड़ी की यात्रा सुगम व सरल होने लगी। धीरे-धीरे इसी पहिये से मशीन से चलने वाली गाड़ियाँ सड़क पर दौड़ने लगीं।

(अ) चलना किस-किस का स्वभाव है?

(ब) पालकियों का प्रयोग किनके लिए होता था?

(स) किसके कारण मनुष्य की यात्रा सुगम हो गयी?

अथवा

प्रकृति सदैव प्रस्तुत रहती है औरों के लिए। यह हमें सिखाती है कि हम भी बिना किसी भेदभाव के औरों के लिए प्रस्तुत रहें, उपलब्ध रहें। नदियाँ बहती हैं, औरों के लिए, वृक्ष फलते-फूलते हैं। छाया देते हैं औरों के लिए। सूरज प्रकाश देता है, जीवन देता है। चाँद शीतलता देता है। इन्होंने कहाँ अपना प्रकाश पुंज समेटा है? नदियाँ कहाँ अपने को बाँधकर रखती हैं। फिर हम क्यों अपने को बाँधकर रखते हैं? यह कृपणता तो मेरी समझ में अपराध है। यह भीषण आत्मरक्षार्थ है। हम समझते हैं, हम जो कर रहे हैं, वह अच्छा कर रहे हैं। लेकिन यह भारी भूल है।

अगर हम किसी को अपनी ज्ञान सम्पदा, सदाशयता सम्पदा से सहायता नहीं पहुँचा रहे हैं, तो कुछ पलों के लिए उसे कष्ट होगा। संसार विशाल है कहीं-न-कहीं उसका काम हो जायेगा। कोई-न-कोई उसकी सहायता कर ही देगा। लेकिन हममें

PDF-Hindustanknowledge.com

कृपणता, असहायता आदि की ग्रंथि विकसित होती रहेगी। अंततः मनोरोग के रूप में परिणत हो जायेगी।

(अ) प्रकृति से व्यक्ति को क्या शिक्षा मिलती है?

(ब) वृक्ष, सूर्य, चन्द्रमा तथा नदियों के कार्यकलापों का क्या लक्ष्य है?

(स) मानव के किस विचार को भारी भूल माना गया है?

सामान्य वर्ग

12. (क) निम्नलिखित शब्द युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए—

(1) कपट - कपाट

(अ) कप और प्लेट (ब) किवाड़ और खिड़की (ग) धोखा और दरवाजा (घ) पर्दा और किवाड़

(2) जलज और जलद

(अ) बादल और कमल (ब) कमल और बादल (स) कमल और तालाब (द) तालाब और कमल

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए—

(अ) खग (ब) दल

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए—

(1) जो आँखों के सामने हो—

(अ) नेत्र सम्मुख (ब) प्रत्यक्ष (स) आँखों के आगे (द) प्रत्येक आँख

(2) जानने की इच्छा रखने वाला—

(अ) जानकार (ब) ज्ञानी (स) जिज्ञासु (द) बुद्धिमान

13. बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक प्रबन्धक को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

शहर में फैली संक्रामक बीमारी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने के लिए आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए—

(अ) तुम तो कुर्सी पर बैठे हो (ब) उस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं

(स) सम्मेलन में कवियित्री ने भाग लिया

PDF Hindustanknowledge.com

15. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन करके लिखिए—

(1) जयति का सन्धि-विच्छेद है—

(अ) जय + अति (ब) ज + अति (स) जे + अति (द) जय + ति

(2) राजर्षि का सन्धि-विच्छेद है—

(अ) राजा + ऋषि (ब) राजा + रिषि (स) राज + ऋषि (द) राजे + ऋषि

(3) सदैव का सन्धि-विच्छेद है—

(अ) सदा + एव (ब) सदै + व (स) सद् + एव (द) स + दैव

(ख) दिये गये शब्दों के विभक्ति और वचन के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए—

(1) जगति—

(अ) द्वितीया एकवचन (ब) पंचमी बहुवचन (स) सप्तमी एकवचन (द) सप्तमी बहुवचन

(2) सीत्सु—

(अ) चतुर्थी एकवचन (ब) प्रथम द्विवचन (स) द्वितीया द्विवचन (द) सप्तमी बहुवचन

(ग) निम्नलिखित में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत में लिखिए—

(अ) मालवीयः कः आसीत्?

(ब) कालिदासः कः आसीत्?

(घ) पादेन खञ्जः में सनियम विभक्ति को बताइए।

16. निम्नलिखित वाक्यों में से दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

(अ) वह घर जाता है।

(ब) मोहन पैर से लंगड़ा है।

(स) दिनेश घर में है।

PDF Hindustanknowledge.com